

परिशिष्ट — परियोजनाएँ

टिप्पणी — निम्नलिखित परियोजनाओं में से कोई एक ली जा सकती है और उसका मूल्यांकन हो सकता है।

परियोजना 1 — पारंपरिक व्यवसायों का विश्लेषण

अपने स्वयं के स्थानीय क्षेत्र में प्रचलित पारंपरिक व्यवसायों का विश्लेषण, उनका प्रारंभ, वर्तमान स्थिति तथा समक्ष आई चुनौतियाँ। जेंडर भूमिकाओं, उद्यमी अवसर तथा भावी जीविकाएँ (करियर) और परिवार की सहभागिता का विश्लेषण कीजिए।

परियोजना की विषय-वस्तु

अपने क्षेत्र में प्रचलित पारंपरिक व्यवसायों की पहचान कीजिए। कुछ शिल्पकारों से व्यवसाय प्रारंभ करने, वर्तमान स्थिति और समस्याएँ तथा चुनौतियाँ जो उनके सामने आती हैं, के बारे में साक्षात्कार कीजिए।

परियोजना का उद्देश्य

आपने इकाई 1 में भारत में पारंपरिक व्यवसायों के बारे में पढ़ा। इस परियोजना को करना, आपको शिल्प की उत्पत्ति तथा इतिहास, आधुनिक संदर्भ में जो परिवर्तन उभरकर आए हैं, इसके विक्रेता तथा शिल्पकारों के सामने आई चुनौतियों के लिए अंतःदृष्टि देगा। आप यह भी जान पाएँगे कि इनमें से कुछ उद्यमी कैसे बने। अभिप्राय यह है कि यह आपको आधुनिक संदर्भ में उद्यमी संभावनाओं पर विचार करने योग्य बनाएगी।

प्रक्रिया

1. शिक्षक कक्षा में विद्यार्थियों से अपने क्षेत्र या राज्य में प्रचलित विभिन्न व्यवसायों की पहचान करने के लिए प्रश्न पूछकर विचारावेश सत्र प्रारंभ कीजिए।
2. श्यामपट्ट पर सभी व्यवसायों की सूची लिखिए। उदाहरण के लिए—
 - (क) खाद्य उद्योग से संबंधित व्यवसाय—अचार, जैम, नाश्ता, मिठाइयाँ, पारंपरिक त्यौहारों की विशिष्टता वाले भोजन इत्यादि
 - (ख) वस्त्र उद्योग संबंधी व्यवसाय—बुनना, सिलना, कसीदाकारी, बँधाई इत्यादि
 - (ग) हस्तशिल्प उद्योग संबंधी व्यवसाय—दरी बनाना, मृद् भांड (पाँटरी), बाँस कला, पारंपरिक चित्रकारी, कागज कला, असेसर बनाना इत्यादि।
 - (घ) स्थानीय क्षेत्र में प्रचलित कोई अन्य व्यवसाय
3. कक्षा को समूहों में बाँटा जा सकता है, एक समूह में 5 से अधिक विद्यार्थी न हों।
4. प्रत्येक समूह एक विशिष्ट पारंपरिक शिल्प या कला या उत्पाद की पहचान करेगा।
5. प्रत्येक समूह चयनित शिल्प/कला में कार्यरत कारीगरों/शिल्पकारों की पहचान करेगा।

6. आगे दिए गए 'परिचर्चा बिंदुओं' के अंतर्गत दी गई बिंदुओं की सूची के आधार पर एक साक्षात्कार प्रारूप विकसित कीजिए।
7. विद्यार्थी लगभग 2-3 ऐसे व्यक्तियों से पारस्परिक क्रिया करेंगे तथा उनके साथ निम्नलिखित बिंदुओं पर परिचर्चा करेंगे।

परिचर्चा बिंदु

- विशिष्ट कला या शिल्प की उत्पत्ति, यदि वे कोई ऐतिहासिक संदर्भ जानते हों।
- बनाए गए उत्पाद का प्रकार, प्रयोग में लाई गई कच्ची सामग्री, बड़े पैमाने पर निर्माण का प्रक्रम तथा विभिन्न चरणों में आवश्यक कौशल, प्राप्त प्रशिक्षण, कोई औपचारिक प्रशिक्षण जिसकी आवश्यकता हो।
- लागत निकालना तथा लाभप्रदता
- उत्पादन प्रतिमाह और अनुमानित आय, ग्राहक तथा लाभप्रदता
- आधुनिक परिवेश में हुए परिवर्तन और सामने आई चुनौतियाँ या समस्याएँ
- उपाय के लिए कार्रवाइयाँ तथा आवश्यक सहायता, यदि कोई हो
- उपलब्ध तथा काम में ली गई सरकारी अथवा निजी योजनाएँ
- निम्नलिखित से संबंधित जेंडर पहलू — (क) बनाए गए उत्पादों का प्रकार (ख) उत्पादन के लिए दिए गए विशिष्ट कार्य (ग) परिवार का समर्थन तथा सहभागिता, बच्चों सहित (घ) पुरुषों और महिलाओं को वेतन
- अपनाई गई विपणन नीतियाँ
- आवश्यक सहयोग, सहायता तथा निधि
- स्वरोजगार तथा उद्यम की संभावना

साक्षात्कार किए गए लोगों के उत्तर रिकॉर्ड किए जाने चाहिए तथा एक परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाए। प्रत्येक समूह तब उद्यम संभावनाओं के साथ-साथ बाल श्रम में जेंडर भूमिका के संबंध में निष्कर्ष निकालेगा। प्रत्येक समूह कक्षा में प्रस्तुति देगा, जिसका शिक्षक/शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा।

परियोजना रिपोर्ट की रूपरेखा — व्यवसाय का परिचय, काम का विवरण तथा आवश्यक कौशल इत्यादि में दोहराने के द्वारा, बाद का प्रस्तुतीकरण तथा परिचर्चा।

परियोजना 2 — किसी सार्वजनिक/जन अभियान का प्रलेखन

किसी सार्वजनिक/जन अभियान का प्रलेखन जो आपके क्षेत्र में निम्नलिखित के संदर्भ में कार्यान्वित किया गया हो —

- (क) अभियान का उद्देश्य
- (ख) केंद्रीय समूह
- (ग) कार्यान्वयन के ढंग
- (घ) शामिल साझेदार

----- Click on the -----
Download Link
 To view the complete book

- (ड) संचार माध्यम तथा उपयोग में ली गई विधियाँ
- (च) अभियान की प्रासंगिकता पर टिप्पणी

परियोजना की विषय-वस्तु

अपने क्षेत्र में कार्यान्वित एक सार्वजनिक या जन अभियान का प्रलेखन

परियोजना का उद्देश्य

आपने विभिन्न उद्देश्यों के लिए संचार माध्यमों के उपयोग के बारे में सीखा है। यह परियोजना आपको, अभियान कैसे संचालित किए जाते हैं, पर प्रत्यक्ष अनुभव करने में समर्थ बनाएगी।

प्रक्रिया

कक्षा को चार समूहों में बाँट दीजिए। कक्षा को दो सार्वजनिक या जन अभियानों को चिह्नित करना और चुनना चाहिए जो उनके इलाके या क्षेत्र में संचालित किए जा चुके हैं या किए जा रहे हैं। प्रत्येक अभियान के लिए एक समूह को अयोजित करने वाली समिति के कुछ सदस्यों का साक्षात्कार करना चाहिए और दूसरे समूह को केंद्रीय या लक्षित समूह के कुछ सदस्यों का साक्षात्कार करना चाहिए।

1. प्रत्येक समूह को एक फ़ाइल बनानी चाहिए, जिसमें घटना का विस्तृत रिकॉर्ड हो।
2. निम्नलिखित ब्यौरों से संबंधित साक्षात्कारों का रिकॉर्ड रखा जाना चाहिए—
 - (क) अभियान का उद्देश्य
 - (ख) केंद्रीय या लक्षित समूह जिसको सम्मिलित करना है।
 - (ग) कार्यान्वयन के तरीके
 - (घ) उपयोग किए गए संचार माध्यम
 - (ड) संप्रेषण के तरीके
 - (च) अभियान की अवधि
 - (छ) योजना और कार्यान्वयन में सम्मिलित व्यक्तियों/संगठनों (पणधारियों) का
 - (ज) केंद्रीय और लक्षित समूह की संख्या या भौगोलिक क्षेत्रों/आयुवर्गों के विषय में वास्तविक आवरण
 - (झ) जरूरी योजना की मात्रा और प्रकार
 - (ञ) धन के स्रोत
 - (ट) अभियान की प्रतिक्रियाएँ
 - (ठ) संगठनकर्ताओं का आकलन

प्रत्येक समूह को अपने अभिमतों (रायों) को संक्षेप में प्रस्तुत करना चाहिए। अध्यापक और छात्र कक्षा में चर्चा कर सकते हैं कि क्या उद्देश्य की पूर्ति हो चुकी है और क्या किसी पहलू को दूसरे तरीके से किया जाना चाहिए था।

परियोजना 3 — एक एकीकृत समुदाय-आधारित कार्यक्रम का अध्ययन

निम्नलिखित के संदर्भ में आपके क्षेत्र में कार्यान्वित किए जा रहे, एक एकीकृत समुदाय-आधारित पोषण/स्वास्थ्य कार्यक्रम का अध्ययन –

- कार्यक्रम का उद्देश्य
- केंद्रीय समूह
- कार्यान्वयन के ढंग
- शामिल साझेदार (पणधारी)

परियोजना की विषय-वस्तु

आपके क्षेत्र में कार्यान्वित किए जा रहे एक एकीकृत समुदाय-आधारित पोषण/स्वास्थ्य कार्यक्रम का अध्ययन

परियोजना का उद्देश्य

आपने पढ़ा है कि हमारे यहाँ पोषण संबंधी बहुत-सी समस्याएँ हैं, जिनका देश को मुकाबला करना है। यह प्रयोग आज-कल कार्यान्वित किए जा रहे कार्यक्रम (कार्यक्रमों) के विषय में आपको कुछ जानकारी और अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में समर्थ बनाएगा।

प्रक्रिया

कक्षा को 4–5 समूहों में बाँट दीजिए। प्रत्येक समूह निम्नलिखित कार्यक्रमों/योजनाओं में से किसी एक का अध्ययन करे—

- आई.सी.डी.एस. (एकीकृत बाल विकास योजना)
- मध्याह्न भोजन कार्यक्रम
- पल्स पोलियो कार्यक्रम
- जनन तथा शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम
- सुरक्षित/स्वच्छ जल तथा सफ़ाई कार्यक्रम
- क्षेत्र में कार्यान्वित अन्य कोई कार्यक्रम

1. प्रत्येक समूह एक फ़ाइल तैयार करे, जिसमें घटना का विस्तृत रिकॉर्ड हो।
2. प्रत्येक समूह उस स्थान पर जाकर देखे जहाँ कार्यक्रम हो रहा है और प्रभारी व्यक्ति अर्थात् एकीकृत बाल विकास योजना में बाल विकास परियोजना अधिकारी और क्षेत्र कार्यकर्ताओं (अर्थात् आँगनवाड़ी सेविका/कार्यकर्ता) से पारस्परिक क्रिया करे, जो गतिविधियाँ हो रही हैं, उन्हें देखे तथा भाग लेने वालों/लाभार्थियों से पारस्परिक क्रिया करे।
3. प्रेक्षण, जिस ढंग से कार्यक्रम कार्यान्वित हो रहा है उसे समझना, भाग लेने वालों/लाभार्थियों की संख्या, भाग लेने वालों द्वारा दी गई सेवाओं तथा लाभों को अनुभव करना, कार्यक्रम के सुधार के लिए भाग लेने वालों के सुझावा

शिक्षकों के लिए नोट— यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि विद्यार्थियों को कार्यक्रम के उद्देश्य संबंधी विस्तृत विवरण को कवर करने और समझने, सम्मिलित साथी/साझेदार, केंद्रीय समूह/लक्षित समूह तथा कार्यान्वयन की नीतियाँ, सहायक(वित्तीय) लागत तथा लाभ, कुल कवरेज के लिए मार्गदर्शन मिल रहा है।

4. प्रत्येक समूह को कक्षा में प्रस्तुतीकरण देना चाहिए और अपनी टिप्पणियाँ तथा सुझाव देने चाहिए कि वे कार्यक्रम के लिए क्या योगदान कर सकते हैं।

परियोजना 4 — विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों के संबंध में किशोरों तथा वयस्कों का बोध

पड़ोस के क्षेत्रों का भ्रमण कीजिए तथा दो किशोरों और दो वयस्कों से विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों के संबंध में उनके बोध के लिए साक्षात्कार कीजिए।

परियोजना की विषय-वस्तु

अपने पड़ोस में दो किशोरों तथा दो वयस्कों की पहचान कीजिए और विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों संबंधी उनके बोध के लिए, दिए गए साक्षात्कार कार्यक्रम के अनुसार उनका साक्षात्कार कीजिए।

परियोजना का उद्देश्य

आपने पढ़ा है कि मानव विकास / बाल विकास की दिशा में विशेषज्ञता प्राप्त करने के बाद जीविका के विकल्पों में से एक जो आप ले सकते हैं, वह विशेष आवश्यकता वाले बच्चों तथा वयस्कों के साथ काम करना है। यह परियोजना (तथा इससे अगली) करना आपको इस जीविका विकल्प के बारे में कुछ विचार विकसित करने में मदद करेगा। विशेष रूप से, यह परियोजना आपको यह समझने में मदद करेगी कि लोग विशेष आवश्यकता वाले लोगों के बारे में क्या सोचते हैं। लोगों के साथ बात करने पर आप अपनी धारणाओं तथा अपने बोध संबंधी आत्म निरीक्षण कर सकते हैं। आपको ज्ञात हो सकता है कि आपकी सोच में बहुत समानताएँ हैं। सोचें कि क्या आपको अपनी कुछ धारणाएँ बदलने की आवश्यकता है।

परियोजना में प्रमुख संकल्पनाएँ/परियोजना में अधिगम बिंदु

इस क्षेत्र के कुछ महत्वपूर्ण शब्दों में सम्मिलित हैं — किशोर, वयस्क, पड़ोस, साक्षात्कार, साक्षात्कार अनुसूची। हम कह सकते हैं कि ये प्रमुख संकल्पनाएँ हैं, जो हम आपको इस परियोजना के माध्यम से समझाना चाहते हैं। आपको किशोरों तथा वयस्कों से साक्षात्कार करने के लिए क्यों कहा जा रहा है? पड़ोस में ही क्यों? और एक साक्षात्कार क्या है तथा यह एक व्यक्ति से बातचीत करने से किस प्रकार भिन्न है? आप जानते हैं कि —

1. किशोरावस्था वह समय है, जब व्यक्ति स्वयं पर और दूसरों पर एक बहुत सुविचारित तथा सचेतन ढंग से केंद्रित करना प्रारंभ करता है। कक्षा 11 के अध्ययन में स्वयं के विकास प्रसंग का स्मरण कीजिए। अमूर्त चिंतन की योग्यता व्यक्ति के लिए संभव बनाती है कि वह विभिन्न संभावनाओं के विषय में सोच सके। यह वह समय भी होता है, जब बहुत से मूल्य निर्माण के प्रक्रम में होते हैं। मानव जाति में विविधता के संबंध में किशोर के मूल्य तथा धारणाएँ महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये प्रतिदिन की पारस्परिक क्रियाओं को आकार देती हैं।